



Mr. Shovit Jhansi



Ankita shri vastava

Model: Love-Horoscope

Order No: 121714701

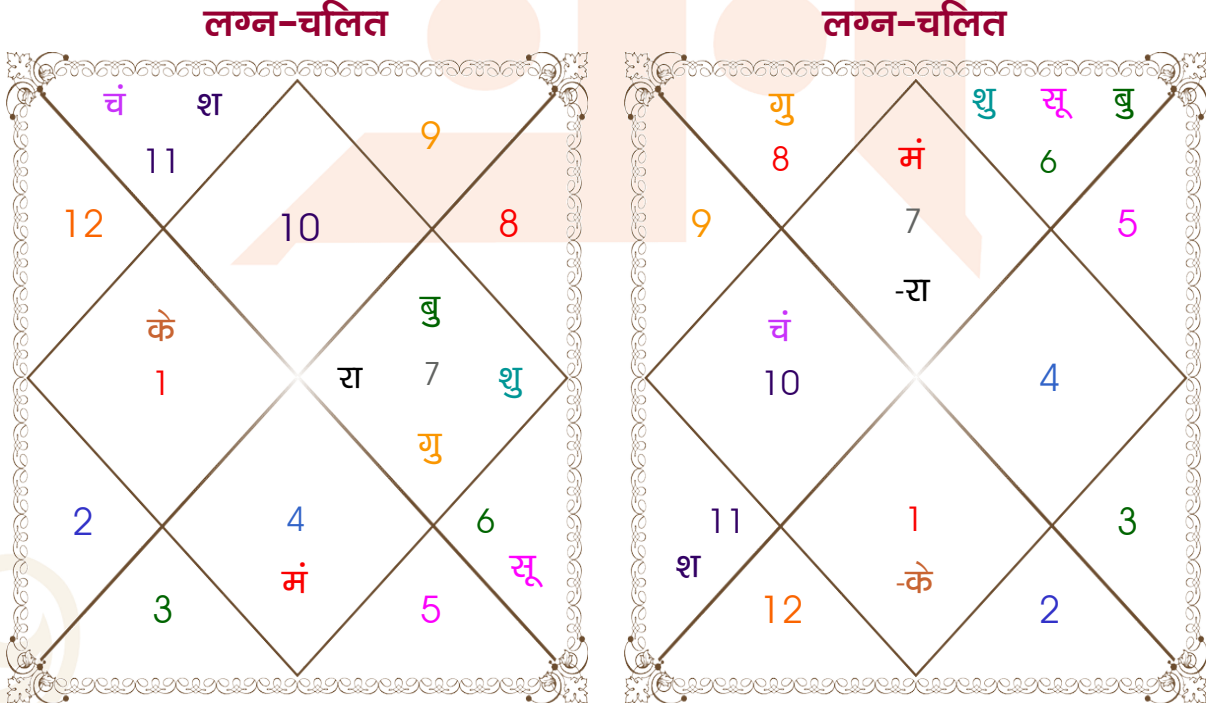
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/10/1994 :	जन्म तिथि	: 04/10/1995
शनिवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 13:30:00 :	जन्म समय	: 08:35:00 घंटे
घटी 18:09:30 :	जन्म समय(घटी)	: 06:04:57 घटी
India :	देश	: India
Jhansi :	स्थान	: Datia
25:27:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:41:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:16:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:14:11 :	सूर्योदय	: 06:09:29
17:48:45 :	सूर्यास्त	: 18:00:16
23:47:15 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:00
मकर :	लग्न	: तुला
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
कुम्भ :	राशि	: मकर
शनि :	राशि-स्वामी	: शनि
शतभिषा :	नक्षत्र	: श्रवण
राहु :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
2 :	चरण	: 3
गण्ड :	योग	: धृति
बव :	करण	: वणिज
सा-सात्विक :	जन्म नामाक्षर	: खे-खेमा
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला
शूद्र :	वर्ण	: वैश्य
मानव :	वश्य	: जलचर
अश्व :	योनि	: वानर
राक्षस :	गण	: देव
आद्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मेष :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 12वर्ष 4मा 22दि शनि	06:09:52	मक	लग्न	तुला	18:05:08	चन्द्र 2वर्ष 8मा 19दि गुरु
08/03/2023	27:57:09	कन्या	सूर्य	कन्या	16:37:36	23/06/2023
08/03/2042	10:49:08	कुंभ	चंद्र	मक	19:42:28	23/06/2039
शनि 11/03/2026	12:06:02	कर्क	मंगल	तुला	24:23:36	गुरु 10/08/2025
बुध 18/11/2028	10:16:42	तुला व	बुध व	कन्या	18:36:22	शनि 22/02/2028
केतु 28/12/2029	24:10:52	तुला	गुरु	वृश्चि	17:08:56	बुध 30/05/2030
शुक्र 27/02/2033	24:08:08	तुला व	शुक्र	कन्या	28:29:23	केतु 06/05/2031
सूर्य 09/02/2034	12:25:23	कुंभ व	शनि व	कुंभ	26:05:07	शुक्र 04/01/2034
चन्द्र 10/09/2035	21:12:24	तुला व	राहु व	तुला	02:47:17	सूर्य 23/10/2034
मंगल 19/10/2036	21:12:24	मेष व	केतु व	मेष	02:47:17	चन्द्र 22/02/2036
राहु 26/08/2039	28:40:33	धनु	हर्ष व	मक	02:43:43	मंगल 28/01/2037
गुरु 08/03/2042	26:49:52	धनु	नेप व	धनु	28:58:29	राहु 23/06/2039
	02:48:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:52:53	

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

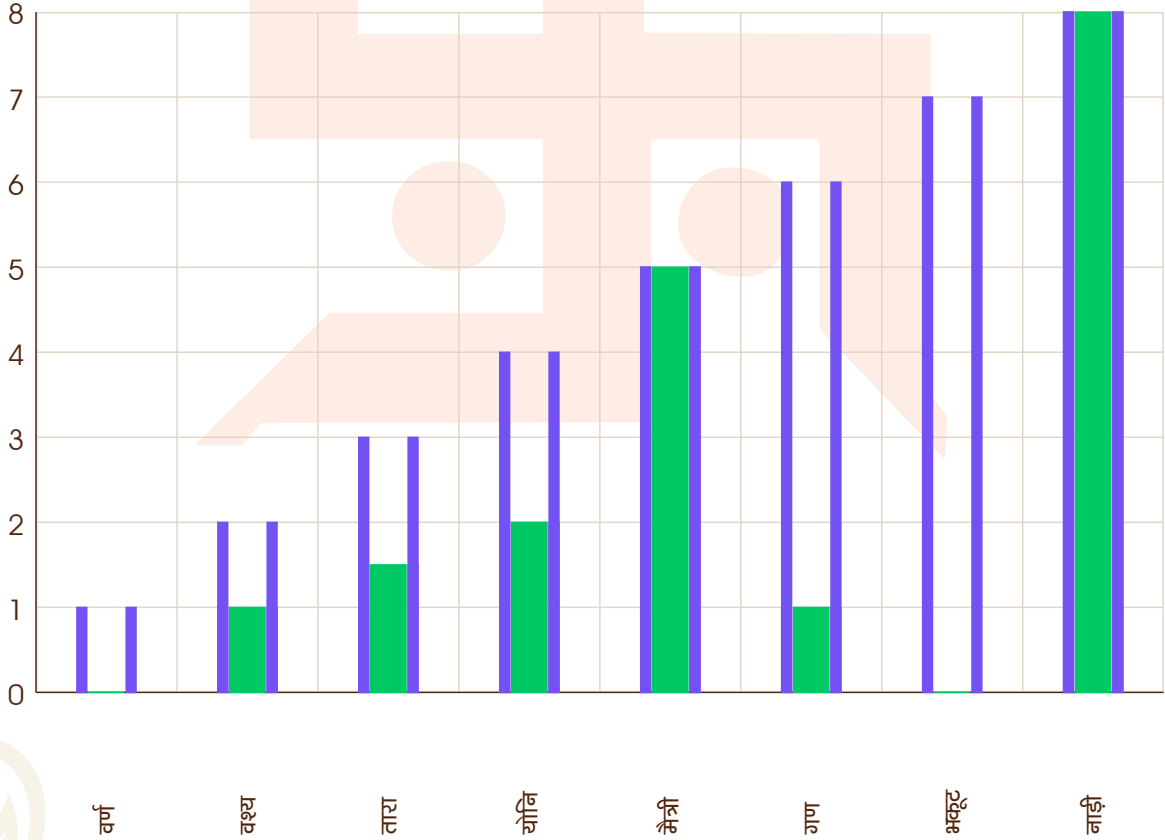
23:47:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:00



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : 18.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इतणैवअपज श्रीदेप का वर्ग मेष है तथा दापजैतप अंजंअं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार इतणैवअपज श्रीदेप और दापजैतप अंजंअं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

इतणैवअपज श्रीदेप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल इतणैवअपज श्रीदेप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्यःडडत्मजतवह;०द्धझ०द्धझ क्योंकि मंगल इतणैवअपज श्रीदेप कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

दापजैतप अंजंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु दापजैतप अंजंअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

इतणैवअपज श्रीदेप तथा दापजैतप अंजंअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

इतर्णैवअपज श्रीदेप का वर्ण शूद्र है तथा दापज्नीतप अंजंअं का वर्ण वैश्य है। क्योंकि दापज्नीतप अंजंअं का वर्ण इतर्णैवअपज श्रीदेप के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। दापज्नीतप अंजंअं अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह दापज्नीतप अंजंअं अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

इतर्णैवअपज श्रीदेप का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं दापज्नीतप अंजंअं का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलिये इतर्णैवअपज श्रीदेप एवं दापज्नीतप अंजंअं दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः इतर्णैवअपज श्रीदेप दापज्नीतप अंजंअं पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि इतर्णैवअपज श्रीदेप हमेशा दापज्नीतप अंजंअं के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

इतर्णैवअपज श्रीदेप की तारा विपत तथा दापज्नीतप अंजंअं की तारा मित्र है। इतर्णैवअपज श्रीदेप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। इतर्णैवअपज श्रीदेप एवं इतर्णैवअपज श्रीदेप के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि दापज्नीतप अंजंअं हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर दापज्नीतप अंजंअं को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

इतर्णैवअपज श्रीदेप की योनि अश्व है तथा दापज्नीतप अंजंअं की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी

समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में इतणैवअपज श्रीदेप एवं दापजैतप अंजंअं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि इतणैवअपज श्रीदेप एवं दापजैतप अंजंअं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

इतणैवअपज श्रीदेप का गण राक्षस तथा दापजैतप अंजंअं का गण देव है। अर्थात् दापजैतप अंजंअं का गण इतणैवअपज श्रीदेप के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण इतणैवअपज श्रीदेप निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही इतणैवअपज श्रीदेप का दापजैतप अंजंअं के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। दापजैतप अंजंअं हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

इतणैवअपज श्रीदेप से दापजैतप अंजंअं की राशि द्वादश भाव में स्थित है दापजैतप अंजंअं से इतणैवअपज श्रीदेप की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े,

मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में डतणैवअपज श्रीदेप परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु दापजंीतप अेंजंअं का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। दापजंीतप अेंजंअं की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही दापजंीतप अेंजंअं तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

डतणैवअपज श्रीदेप की नाड़ी आद्य है तथा दापजंीतप अेंजंअं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। डतणैवअपज श्रीदेप की आद्य नाड़ी तथा दापजंीतप अेंजंअं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

इतर्णैवअपज श्रीदेप की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा ापज्ीतप अंजंअं की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। वायु तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध विशेष मधुर नहीं होंगे एवं वैवाहिक जीवन प्रतिकूल रहेगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

इतर्णैवअपज श्रीदेप और ापज्ीतप अंजंअं की जन्मराशि का स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की पूर्ण सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। इतर्णैवअपज श्रीदेप और ापज्ीतप अंजंअं एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में सुख शांति की वृद्धि होगी तथा आनन्दपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

इतर्णैवअपज श्रीदेप और ापज्ीतप अंजंअं की राशियां परस्पर द्वादश तथा द्वितीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा लेकिन राशि स्वामी एक होने के कारण विशेष अनिष्ट की संभावना नहीं रहेगी तथापि यदि इतर्णैवअपज श्रीदेप और ापज्ीतप अंजंअं दोनों बुद्धिमता तथा सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य करें तो अशुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

इतर्णैवअपज श्रीदेप का वश्य मानव तथा ापज्ीतप अंजंअं का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अन्तर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

इतर्णैवअपज श्रीदेप का वर्ण शूद्र तथा ापज्ीतप अंजंअं का वर्ण वैश्य है। अतः इतर्णैवअपज श्रीदेप की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को ईमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी जबकि ापज्ीतप अंजंअं की प्रवृत्ति धनार्जन में रहेगी तथा धन को वे विशेष महत्व प्रदान करेंगी।

धन

इतर्णैवअपज श्रीदेप और ापज्ीतप अंजंअं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। इतर्णैवअपज श्रीदेप और ापज्ीतप अंजंअं दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से इतणैवअपज श्रीदेप की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि इतणैवअपज श्रीदेप को ऐसी प्रवृत्तियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

इतणैवअपज श्रीदेप आद्य तथा दापजंीतप अंजंअं अन्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबंधी कोई कष्ट भी हो सकता है। इतणैवअपज श्रीदेप की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि दापजंीतप अंजंअं की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए इतणैवअपज श्रीदेप और दापजंीतप अंजंअं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से इतणैवअपज श्रीदेप और दापजंीतप अंजंअं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त इतणैवअपज श्रीदेप और दापजंीतप अंजंअं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में दापजंीतप अंजंअं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन दापजंीतप अंजंअं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में दापजंीतप अंजंअं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से इतणैवअपज श्रीदेप और दापजंीतप अंजंअं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार इतणैवअपज श्रीदेप और दापजंीतप अंजंअं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

दापजंीतप अंजंअं के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे परन्तु यदा

कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही दापजंतीतप अंजंअं सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में दापजंतीतप अंजंअं को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि दापजंतीतप अंजंअं धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से दापजंतीतप अंजंअं के संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही दापजंतीतप अंजंअं ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

डतणैवअपज श्रीदेप तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतणैवअपज श्रीदेप के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतणैवअपज श्रीदेप को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतणैवअपज श्रीदेप के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतणैवअपज श्रीदेप के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Mr. Shovit Jhansi

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म उत्तराषाढ़ नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ है। आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कुंभ नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ग्रह संयोजन के फलस्वरूप यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म उन्नतमुखी प्रतिज्ञा का निरूपण कर रहा है, परंतु आपके जीवन के लघु मानसिक प्रवृत्ति यह है कि आप जन सामान्य के साथ जो व्यवहार करेंगे। वह व्यवहार जैसे सिंह मनुष्य के साथ करता है, वैसा प्रतीत होता है। आप घर में भी एक प्रशासक प्रवृत्ति से भूमिका निभाएंगे। आप मानवीय स्वभाव से निश्चित रूपेण अपनी पत्नी के वशीभूत रहेंगे।

इसका मुख्य कारण यह है कि आपका विवाह विलम्ब से हो ऐसी संभावना है तथा तथ्य यह है कि आप व्यक्तिगतरूप से झगड़ा विवाद करने वाले नहीं है। परंतु आप संतुलित प्राणी है। आप सदैव किसी भी वाद-विवाद विहीन परिस्थिति तथा शांति पूर्वक जीवन बिताने की अभिलाषा रखते हैं। यद्यपि आप अपनी पत्नी एवं संतान के लिए अत्यंत ही सुकोमल दृष्टिकोण के प्राणी हैं तथा उन्हें समृद्धिवान करने एवं स्वच्छन्दता पूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए आकांक्षी है।

आप एक चतुर व्यक्ति हैं एवं आप अपने जीवन में उच्चता प्राप्त करेंगे। आप एक धर्मात्मा है तथा आप निर्विघ्न जीने की नीति में विश्वास करते हो। आप अकस्मात् प्रेम उत्पन्न कर लेते हैं तथा आप अच्छी मित्र मंडली बना लेते हो। आप में समुचित प्रत्यक्षज्ञान शक्ति विद्यमान है। अतः लोग आपके पास निर्देशन प्राप्त करने आते हैं। आप सर्वथा गायन, नृत्य द्वारा आनंद प्राप्त करने के लिए संपर्क साधन करते हो।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन का अध्ययन कर समय-समय पर धर्म स्थलों का परिभ्रमण करेंगे। आप सदैव सहृदयतापूर्वक दान सेवी संस्थाओं को दान-प्रदान करेंगे।

आप की इच्छा के अनुरूप कार्य व्यवसाय भूमि से संबंधित अनुकूल होगा। यथा सिंचाई कार्य, खनिज व्यवसाय, वास्तु कला, अभियांत्रिकी एवं सविल कॉन्ट्रैक्टर का कार्य आदि। आप विश्वासपूर्वक संस्था के संचालक अथवा मध्यस्थता (दलाली) कार्य अथवा निर्यातिक व्यवसाय कर सकते हो।

आप अपने जीवन में अधिकांश समय तक निशंक होकर स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आपको अपने शरीर को जख्मी होने के प्रति सुरक्षा बरतनी होगी। आपको उछल कूद करने तथा ऊपर से नीचे जाने के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको अपने पाचन पद्धति के प्रति सदैव सतर्क रहना पड़ेगा।

आप व्यक्तिगत रूप से उच्चकोटि के महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप धन संचय करने की योजना बनाकर स्पष्ट रूप से धन प्राप्ति करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आप यदि निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन करें तो निश्चित रूप से सुगमता पूर्वक अग्रसर हो सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक हैं। परंतु अंक 3 सर्वथा त्यागनीय है, क्योंकि ये अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में सहायक रंग सफेद, काला, नीला एवं लाल रंग अनुकूल रंग हैं। परंतु रंग क्रीम एवं पीला रंग स्पष्ट रूप से आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं भाग्यशाली दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन व्यवहारणीय है, परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

Ankita shri vastava

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपत्ति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने

परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Mr. Shovit Jhansi

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होगा। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाले, जनता के मध्य लोकप्रिय व्यक्ति होंगे। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा। आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगे। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी।

सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगे। परोपकार में हिचकेंगे नहीं तथा अपने कार्य को निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगे। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगे। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी। आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगे। एकाध असफलताएँ भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुंचेंगे एवं घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगे।

Ankita shri vastava

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगी जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेंगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः

आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अज्ञविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

Mr. Shovit Jhansi

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Ankita shri vastava

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगी। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगी। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्तिवश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।